

सिरि पुं. (तद्.) 1. छोर, किनारे पर 2. सिर पर।
स्त्री. तद्. शोभा, श्री।

सिरिजना स.क्रि. (तद्.) सृजन करना, रचना करना।

सिरिफल पुं. (तद्.) श्रीफल।

सिरियारी स्त्री. (देश.) 1. सुसना 2. हाथी शूंडी।

सिरिश्ता पुं. (फा.) 1. दफ्तर, कचहरी, महकमा 2. रीति 3. उपाय।

सिरिस पुं. (तद्.) शिरीष, सिरस वृक्ष।

सिरी स्त्री. (देश.) 1. मस्त हाथी के नेत्रों पर डालने का वस्त्र 2. करघा 3. तद्. लक्ष्मी, शोभा 4. देश. सिर पर पहनने का एक गहना।।

सिरीधरण वि. (देश.) श्री को धारण करने वाला, शोभायुक्त पुं. विष्णु।

सिरीसाफ पुं. (देश.) एक प्रकार का मखमल।

सिरेयस पुं. (तद्.) श्रेयस्।

सिरें क्रि.वि. (तद्.) सिर पर वि. सर्वोत्तम।

सिरोना पुं. (देश.) घड़ा रखने का रस्सा का मेड़रा, बिड़वा, ईड़ुरी।

सिरोपा पुं. (तद्.) सरोपा, सिर से पैर तक पहनने के कपड़े (पगड़ी, पाजामा, दुपट्टा आदि) जो राजा आदि द्वारा राज सम्मान के रूप में प्रदान किया जाता है, सिरोपाव।

सिरोपाव पुं. (देश.) सिरोपा, सरोपा, सिरपाव।

सिरोमनि वि. (तद्.) शिरोमणि, सर्वश्रेष्ठ।

सिरोरूह पुं. (तद्.) दे. सिररूह।

सिरोही स्त्री. (देश.) एक काली चिड़िया जिसकी चोंच और पंजे लाल होते हैं।

सिर्का पुं. (फा.) सिरका, अंगूर, ईख, जामुन आदि के रस को धूप में सड़ा कर खमीर उठाने से तैयार किया गया पदार्थ।

सिर्फ क्रि.वि. (अर.) केवल, अकेला, खालिस।

सिल स्त्री. (तद्.) 1. शिला, चट्टान, पत्थरी, सिल्ली 2. भसाला आदि पीसने में प्रयुक्त होने वाली पत्थर की समतल पटिया 3. काठ की पुं. 1. फसल की कटाई के बाद खेत में बचे हुए अनाज के दाने पुं. (अर.) क्षय नामक रोग, तपेदिक, राजयक्ष्मा।

सिलक पुं. (देश.) 1. शृंखला, लड़ी, पंक्ति 2. धागा 3. गले में पहनने की माला या हार स्त्री. (अं.) सिल्क, रेशम।

सिलकी स्त्री. (देश.) बेल, लता।

सिलखड़ी स्त्री. (तद्.) एक प्रकार की खडिया, सेलखड़ी। गोरा पत्थर, एक चिकना पत्थर, जो बरतन बनाने के काम आता है, खरिया मिट्टी।

सिलगना अ.क्रि. (अर.) सुलगना।

सिलना स.क्रि. (देश.) सिलाई करना।

सिलप पुं. (तद्.) शिल्प, हस्तकला, हाथ से काम करने की कला, कारीगरी, हुनर, दस्तकारी।

सिलबट्टा पुं. (तद्.) सिल पीसने का लोढ़ा, पत्थर की चौकोर पटिया जिस पर बट्टे से मसाला आदि पीसते हैं।

सिलवट स्त्री. (देश.) वस्त्र आदि में सूखने या दबने के कारण पड़ी रेखा, सिकुड़न, शिकन।

सिलवाना स.क्रि. (देश.) सिलाई (वस्त्र आदि की) का काम किसी से कराना।

सिलसिला पुं. (अर.) 1. एक के बाद एक करके चलते रहते वाला क्रम 2. क्रम, व्यवस्था 3. श्रेणी, पंक्ति, कतार वि. 1. फिसलने वाला 2. भीगा हुआ, आर्द्र, गीला।

सिलसिलेवार क्रि.वि. (अर.) क्रम के अनुसार, क्रमशः वि. 1. क्रम से लगा हुआ, क्रमबद्ध 2. व्यवस्थित 3. तरतीबवार।

सिलह पुं. (अर.) 1. अस्त्र-शस्त्र 2. हथियार।

सिलहखाना पुं. (अर.) हथियारों को रखने का स्थान, शस्त्रागार।

सिलहबंद वि. (अर.) शस्त्रों से युक्त, सशस्त्र।